UNIT-I A(b)

आधुनिक भूगोल क्या है?

आरम्भ में भूगोल पृथ्वी का असम्बन्धित 'वर्णन मात्र' था और इसका अध्ययन मानसिक-शिक्षण के रूप में होता था। विद्यार्थियों को असम्बद्ध और नीरस तथ्यों की सूची रटाकर याद करायी जाती थी, जिसे वे एक बार अध्यापक के सामने दुहराने के बाद या परीक्षण समाप्त होने के बाद ही भूल जाते थे।

'असम्बद्ध तथ्यों को रटकर एक साँस में सुना देना ही भूगोल-शिक्षण का मुख्य उद्देश्य था। प्राचीन यूनान निवासियों के अनुसार 'भूगोल पृथ्वी का वर्णन-मात्र विषय था'। परन्तु केवल वर्णन-मात्र विषय भूगोल नहीं माना जा सकता है।

क्रमशः अन्य प्राकृतिक विज्ञानों से आकृष्ट होकर भूगोल एक विज्ञान के रूप में आगे आया और इसका अध्ययन वैज्ञानिक पद्धति पर होने लगा। प्राकृतिक भूगोल, भू-आकृति रचना, भूगर्भशास्त्र तथा वनस्पतिशास्त्र के अध्ययन पर महत्व दिया जाने लगा। पृथ्वी पर होने वाली प्राकृतिक घटनाओं, वर्षा, तुफान, ज्वालामुखी और भूकम्प से सम्बद्ध स्थापित करने का प्रयत्न किया जाने लगा। वर्तमान में भूगोल केवल 'वर्णन-मात्र' विषय न होकर विज्ञान के विभिन्न प्रकार के उपविषयों पर आधारित है।

प्राकृतिक प्रदेशों का विभाजन बीसवीं शताब्दी के आरम्भ में हुआ और तब से प्रादेशिक भूगोल का महत्व बढ़ चला है। भूगोल अध्ययन में भी प्रादेशिक प्रणाली अपनायी गयी है। प्रत्येक प्राकृतिक प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियाँ अध्ययन करने के पश्चात् उनका प्रभाव मानव-जीवन पर ज्ञात करती है। एक ही प्रकार के प्राकृतिक प्रदेश दूर-दूर स्थित होने पर भी प्राकृतिक परिस्थितियों तथा मानव जीवन में समानता रखते हैं। पृथ्वी को इस प्रकार 18 विभिन्न प्राकृतिक प्रदेशों में विभाजित किया ~~जाता है~~ गया है। भूगोल अब इन प्राकृतिक प्रदेशों का तुलनात्मक अध्ययन है।

प्राचार्य

भूगोल की परिभाषाएं :-

विभिन्न भूगोलवेत्ताओं ने आधुनिक भूगोल की भिन्न-भिन्न परिभाषाएं दी है, जो निम्नलिखित हैं।-

(1) "पृथ्वी को 18 प्राकृतिक प्रदेशों में विभाजित किया गया है, भूगोल इन प्राकृतिक प्रदेशों का तुलनात्मक अध्ययन है।"

(2) "भूगोल प्राकृतिक निर्जीव तत्वों तथा सजीव तत्वों के सिद्धान्तों और क्रियाओं के पारस्परिक सम्बन्धों का विज्ञान है।"

Geography is the science of relationship between Physical inorganic factors and Principles and activities of organic factors-
Jame Fairgleve.

(3) "मानव-समुदायों का अपने प्राकृतिक वातावरण के अनुसार अनुकूलन ही भूगोल है।"

Geography is the adjustment of human-groups to their physical environment.
Barker.

(4) "भूगोल के अध्ययन का अर्थ विश्व मानव समुदायों को, उनके आवास स्थलों की पृष्ठभूमि में जानकारी प्राप्त करना है।"

Live and let live is the main message of geography.

Note: भूगोल शिक्षण - हरनारायण सिंह के पुस्तक से।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

भूगोल का क्षेत्र

भूगोल का क्षेत्र वर्तमान समय में अत्यन्त व्यापक एवं विशाल हो गया है।

भूगोल पृथ्वी की स्थायी अथवा अर्द्ध स्थायी दशाओं का अध्ययन करता है, किन्तु अन्ततः ये दशाएँ परिवर्तनशील हैं। प्राकृति तथा अन्य तत्व पृथ्वी के प्राकृतिक वातावरण को निरन्तर परिवर्तित करते रहते हैं। निरन्तर उन्नतशील एवं मानव समुदायों तथा उनके वातावरण के मध्य होने वाली क्रियाओं एवं प्रतिक्रियाओं के अध्ययन के कारण भूगोल का क्षेत्र निरन्तर बढ़ता जा रहा है।

विषय की व्यापकता तथा क्षेत्र की विशालता के कारण भूगोल- अध्ययन में चयन की आवश्यकता है। आधुनिक भूगोल-वेत्ताओं ने इसके सम्बन्ध निम्नलिखित बाते ~~स्थायी~~ हैं। कही हैं।

(1) - प्राकृतिक वातावरण सम्बधी -
(2) सम्बन्धित मानसिक क्रियाएँ -
(3) सामाजिक क्रियाएं -
(4) राजनीतिक क्रियाएँ -

24/08/2020

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया